Tender Heart High School, Sector-33-B, Chandigarh.

कक्षा - नौवीं
विषय - हिन्दी व्याकरण
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण - नौ, दस

उपविषय - लिंग

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण की पृष्ठ संख्या 217 पर दिए 'लिंग' पर चर्चा करेंगे।

'लिंग' संस्कृत भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है 'निशान'।
जिस संज्ञा शब्द से व्यक्ति की जाति का पता चलता है, उसे 'लिंग' कहते हैं। दूसरे शब्दों में यह भी कहा जा सकता है कि शब्द के जिस रूप से किसी व्यक्ति, वस्तु या प्राणी के स्त्री या पुरुष होने का बोध होता है, उसे लिंग कहते हैं।
हिन्दी भाषा में दो ही लिंग माने जाते हैं :-
क) पुल्लिंग ख) स्त्रीलिंग ।
क) पुल्लिंग से पुरुष जाति का बोध होता है।
जैसे - राम, हाथी, बालक शेर, आलू, पंडित, पिता, भाई आदि।
ख) स्त्रीलिंग से स्त्री जाति का बोध होता है।
जैसे - गाय, मोरनी, बालिका, वर्षा, औरत, कुर्सी, मछली, माता आदि।
लिंग - परिवर्तन

1. अकारांत तथा आकारांत पुल्लिंग शब्दों के अंतिम 'अ'

अथवा 'आ' को स्त्रीलिंग बनाने के लिए 'ई' कर दिया जाता है जैसे :-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
देव	देवी	नट	नटी
बेटा	बेटी	दादा	दादी
घोड़ा	घोड़ी	पुत्र	पुत्री

2. कुछ आकारान्त पुल्लिंग शब्दों के अंतिम 'आ' को स्त्रीलिंग बनाने के लिए 'इया' कर दिया जाता है तथा पहले स्वर को ह्रस्व कर दिया जाता है। जैसे :-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
कुत्ता	कुतिया	बेटा	बिटिया
बूढ़ा	बुढ़िया	चूहा	चुहिया
डिब्बा	डिबिया	गुड्डा	गुड़िया

3. व्यवसायपूर्वक पुल्लिंग शब्दों के अंतिम स्वर को स्त्रीलिंग बनाने के लिए 'इन' कर दिया जाता है। जैसे :-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
सुनार	सुनारिन	तेली	तेलिन
लुहार	लुहारिन	धोबी	धोबिन
कुम्हार	कुम्हारिन	माली	मालिन

4. पदवीवाचक या उपजातिवाचक शब्दों के अंत में स्वर को स्त्रीलिंग बनाने के लिए 'आइन' कर दिया जाता है। जैसे :-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
पंडित	पंडिताइन	लाला	ललाइन
ठाकुर	ठकुराइन	चौधरी	चौधराइन

5. कुछ अकारांत शब्दों के अंत में 'आनी' लगाने से स्त्रीलिंग बनते हैं जैसे :-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
जेठ	जेठानी	नौकर	नौकरानी
देवर	देवरानी	मुगल	मुगलानी

6. कुछ अकारांत शब्दों के अंत में 'नी' लगाने से स्त्रीलिंग

बनते है जैसे :-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
ऊँट	ऊँटनी	शेर	शेरनी
भील	भीलनी	सिंह	सिंहनी

7. कुछ शब्दों के अंत में 'ई' को स्त्रीलिंग बनाने के लिए 'इनी' कर दिया जाता है जैसे :-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
स्वामी	स्वामिनी	हाथी	हथिनी
तपस्वी	तपस्विनी	हंस	हंसिनी

8 'आन' अंत वाले शब्दों में 'आन' के स्थान पर स्त्रीलिंग बनाने के लिए अती कर दिया जाता है। जैसे :-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
धनवान	धनवती	बलवान	बलवती
गुणवान	गुणवती	बुद्धिमान	बुद्धिमती

9. 'अक' अंत वाले शब्दों के अक को स्त्रीलिंग बनाने के लिए 'इका' कर दिया जाता है जैसे :-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नायक	नायिका	सेवक	सेविका
अध्यापक	अध्यापिका	याचक	याचिका
लेखक	लेखिका	बालक	बालिका

10 अकारांत 'तत्सम' शब्दों में अंतिम 'अ' को स्त्रीलिंग बनाने के लिए 'आ' कर दिया जाता है।जैसे :-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
सुत	सुता	प्रिय	प्रिया
बाल	बाला	शुद्र	शुद्रा

11. 'ता' के स्थान पर 'त्री' लगाकर जैसे :-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
दाता	दात्री	नेता	नेत्री
कर्त्ता	कर्त्री	भर्ता	भर्त्री
अभिनेता	अभिनेत्री	रचयिता	रचयित्री
विधाता	विधात्री	प्रबंधकर्त्ता	प्रबंधकर्त्री

12. कई शब्दों के स्त्रीलिंग रूप उनके पुल्लिंग रूपों से बिलकुल भिन्न होते हैं। जैसे :-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
राजा	रानी	कवि	कवयित्री
बैल	गाय	वर	वधू
पुरुष	स्त्री	ससुर	सास
विद्वान	विदुषी	वीर	वीरांगना
विधुर	विधवा	ननदोई	ननद
बहनोई	बहन	सम्राट	सम्राज्ञी
साधु	साध्वी	युवक	युवती
साला	सलहज	बुआ	फूफा

13. कुछ शब्दों में स्त्रीलिंग और पुल्लिंग का अंतर करने के लिए 'मादा' या 'नर' जोड़ दिया जाता है। जैसे मादा चीता, नर मक्खी आदि।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नर कोयल	मादा कोयल	नर तोता	मादा तोता
नर मगरमच्छ	मादा मगरमच्छ	नर भेड़िया	मादा भेड़िया
नर खरगोश	मादा खरगोश	नर कौआ	मादा कौआ
नर चीता	मादा चीता	नर मक्खी	मादा मक्खी

14. कुछ शब्द सदा पुल्लिंग होते हैं। जैसे मच्छर, खटमल, चीता, बिच्छू, गरुड़, कछुआ, बाज, भैंडा, खरगोश, पशु-पक्षी आदि।
15. कुछ शब्द सदा स्त्रीलिंग होते हैं जैसे :- मक्खी, गिलहरी, मैना, तितली, मछली, दीमक, कोयल आदि।
16. नदियों के नाम प्राय: स्त्रीलिंग होते हैं जैसे - गंगा, यमुना, गोदावरी, कृष्णा कावेरी आदि। ब्रह्मपुत्र अपवाद है।

गृहकार्य

सभी छात्र पुस्तक की पृष्ठ संख्या 217 से 219 को ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे तथा पृष्ठ संख्या 220 पर दिए अभ्यास के प्रश्न- तीन को अपनी-अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]